unacademy

U.N. PEACEKEEPING MISSION

ABOUT THE U.N. PEACEKEEPING MISSION

- The U.N. Peacekeeping mission is a joint effort between the Department of Peace Operations and the Department of Operational Support.
- **Aim:** To assist host countries in transitioning from situations of conflict to peace.
- U.N. Peacekeepers provide security and political and peacebuilding support to conflict-ridden countries.
- **The International Day of UN Peacekeepers** is observed annually on **May 29** to pay tribute to the uniformed and civilian personnel for their invaluable contribution.

unacademy

BASIC PRINCIPLES OF U.N.'S PEACEKEEPING MISSIONS

- Consent of the parties
- Impartiality
- Non-use of force except in self-defence and defence of the mandate

INDIA'S CONTRIBUTION TO UN PEACEKEEPING MISSION

- India's contribution to UN Peacekeeping began with its participation in the UN operation in Korea in the 1950s.
- In 2007, India became the first country to deploy an all-women contingent to a U.N. Peacekeeping mission.
- Over 200,000 Indians have served in 49 U.N. Peacekeeping missions since 1948. Currently, 5,581 Indians are part of various U.N. Peacekeeping missions.
- As of November 2021, India is the second-highest military (1,888) and **fifth-highest (139) police-contributing country** to the United Nations Organisation Stabilisation Mission in the Democratic Republic of the Congo (MONUSCO).
- India also served as **Chair of the three international commissions** for supervision and control of Vietnam, Cambodia, and Laos established by the 1954 Geneva Accords on Indochina.
- Indian veterinarians are serving with the UN Mission in South Sudan (UNMISS).
- **UNITE AWARE:** India is developing this platform to help "increase situational awareness and provides terrain-related information to peacekeeping forces.

unacademy

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के बारे में

- संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग मिशन)शांति अभियान विभाग और ऑपरेशनल सपोर्ट विभाग के बीच एक संयुक्त प्रयास है।
- **उद्देश्य:** संघर्ष की स्थिति से शांति की ओर प्रतिस्थापन में मेजबान देशों की सहायता करना।
- संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक संघर्षग्रस्त देशों को सुरक्षा और राजनीतिक और शांति निर्माण सहायता प्रदान करते हैं।
- वर्दीधारी और नागरिक कर्मियों के अमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस मनाया जाता है।

unacademy

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के बुनियादी सिद्धांत

- पक्षों की सहमति
- निष्पक्षता
- आत्मरक्षा और जनादेश की रक्षा को छोड़कर बल का प्रयोग न करना।

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भारत का योगदान

- संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत का योगदान 1950 के दशक में कोरिया में संयुक्त राष्ट्र के अभियान में भाग लेने के साथ शुरू हुआ।
- 2007 में, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में एक महिला दल को तैनात करने वाला पहला देश बन गया।
- 1948 से 200,000 से अधिक भारतीयों ने 49 संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सेवा की है। वर्तमान में, 5,581 भारतीय संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न शांति अभियानों का हिस्सा हैं।
- नवंबर 2021 तक, भारत कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (MONUSCO) में संयुक्त राष्ट्र संगठन स्थिरीकरण मिशन में दूसरा सबसे बड़ा सैन्य (1,888) और पांचवां सबसे बड़ा (139) पुलिस-योगदान देने वाला देश है।
- भारत ने 1954 में इंडोचीन पर जिनेवा समझौते द्वारा स्थापित वियतनाम, कंबोडिया और लाओस के पर्यवेक्षण और नियंत्रण के लिए तीन अंतरराष्ट्रीय आयोगों के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।
- दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (UNMISS) में भारतीय पशु चिकित्सक सेवारत किए गए हैं।
- **यूनाइट अवेयर:** भारत इस प्लेटफॉर्म को "स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ाने और शांति बलों को इलाके से संबंधित जानकारी प्रदान करने में मदद करने के लिए विकसित कर रहा है।